भारत सरकार
भारी उद्योग मंत्रालय

लोकसभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 3697
12.08.2025 को उत्तर के लिए नियत

भारी उद्योगों को बढ़ावा देने की पहल

3697. **श्री पी. सी. मोहनः**

क्या **भारी उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) सरकार द्वारा भारी उद्योग क्षेत्र में आधुनिकीकरण, स्वचालन और प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ावा देने के लिए हाल के वर्षों में की गई प्रमुख पहलें क्या हैं;

(ख) क्या सरकार ने लक्षित नीतिगत समर्थन के लिए प्राथमिकता वाले उप-क्षेत्रों (जैसे भारी विद्युत, मशीन उपकरण, औद्योगिक यंत्रसमूह, इत्यादि) को चिह्नित किया है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) मंत्रालय के अंतर्गत सरकारी क्षेत्र की इकाइयों (पीएसयू) की स्थिति क्या है जिसमें पुनरुद्धार, विनिवेश या रणनीतिक साझेदारी के प्रस्ताव भी शामिल हैं;

(घ) भारी उद्योगों में पिछले पाँच वर्षों में, विशेषकर मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत पहलों के संबंध में, निजी क्षेत्र की सहभागिता कितनी है और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) कितना है; और

(ङ) क्या कर्नाटक जैसे राज्यों में कोई विशिष्ट औद्योगिक संकुल या हरित औद्योगिक गलियारे विकसित किए जा रहे हैं और उनकी अवसंरचना और कौशल विकास के लिए क्या सहायता प्रदान की जा रही है?

उत्तर
भारी उद्योग राज्य मंत्री
(श्री भूपति राजू श्रीनिवास वर्मा)

(क) और (ख): पूंजीगत वस्तु क्षेत्र में प्रौद्योगिकी विकास, अनुसंधान, नवाचार को प्रोत्साहित करने तथा विनिर्माण अवसंरचना को बढ़ाने के लिए भारी उद्योग मंत्रालय (एमएचआई) 1207 करोड़ रुपये के वित्तीय परिव्यय, 975 करोड़ रुपये की बजटीय सहायता तथा 232 करोड़ रुपये के उद्योग अंशदान के साथ "भारतीय पूंजीगत वस्तु क्षेत्र में प्रतिस्पर्धात्मकता संवर्धन - चरण II" स्कीम का कार्यान्वयन कर रहा है। इस स्कीम के अंतर्गत कुल 33 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। इन 33 परियोजनाओं में 9 उत्कृष्टता केंद्र (सीओई), 5 सामान्य इंजीनियरिंग सुविधा केंद्र (सीईएफसी), 7 परीक्षण एवं प्रमाणन केंद्र, प्रौद्योगिकी विकास के लिए 9 उद्योग त्वरक और कौशल स्तर 6 और उससे ऊपर के लिए योग्यता पैक (क्यूपी) निर्माण हेतु 3 परियोजनाएं शामिल हैं।

(ग): भारी उद्योग मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में 16 कार्यरत केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम (सीपीएसई), 1 गैर-प्रचालनरत सीपीएसई, 4 बंद होने की स्थिति में और 15 परिसमापन की स्थिति में हैं। सीपीएसई की सूची अनुलग्नक में दी गई है।

(घ): पिछले पाँच वर्षों के दौरान सकल घरेलू उत्पाद में पूंजीगत वस्तु क्षेत्र का योगदान लगातार लगभग 1.9% रहा है, जिसमें निजी क्षेत्र की भागीदारी महत्वपूर्ण है। इसके अलावा, जैसा कि उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) द्वारा सूचित किया गया है, भारी उद्योगों के संबंध में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) पर विनिर्दिष्ट आँकड़े नहीं रखे जाते हैं।

(ङ): "भारतीय पूंजीगत वस्तु क्षेत्र में प्रतिस्पर्धात्मकता संवर्धन स्कीम" के पहले चरण के अंतर्गत, कर्नाटक सरकार के साथ साझेदारी में कर्नाटक के तुमकुरु में 530 एकड़ में फैले एक विश्वस्तरीय मशीन टूल पार्क को मंज़ूरी दी गई है। इस मशीन टूल पार्क के लिए स्कीम के अंतर्गत 125 करोड़ रुपये की राशि आवंटित की गई है।

****

अनुलग्नक

भारी उद्योग मंत्रालय (एमएचआई) के अंतर्गत केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्रक उद्यमों (सीपीएसई) की स्थिति

क्र. सं.	सीपीएसई का नाम
प्रचालनरत सीपीएसई	
1	एंड्रयू यूल एंड कंपनी लिमिटेड
2	ब्रिज एंड रूफ कंपनी (इंडिया) लिमिटेड
3	ब्रेथवेट, बर्न और जेसप कंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड
4	भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड
5	सीमेंट कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
6	इंजीनियरिंग प्रोजेक्ट्स (इंडिया) लिमिटेड
7	हेवी इंजीनियरिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड
8	एचएमटी (इंटरनेशनल) लिमिटेड
9	एचएमटी मशीन टूल्स लिमिटेड
10	एचएमटी लिमिटेड
11	हिंदुस्तान साल्ट्स लिमिटेड
12	इंस्ट्रूमेंटेशन लिमिटेड
13	नेपा लिमिटेड
14	रिचर्डसन एंड क्रुडास लिमिटेड
15	राजस्थान इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंस्ट्रूमेंट्स लिमिटेड
16	सांभर साल्ट्स लिमिटेड
गैर-प्रचालनरत सीपीएसई	
1	भारतीय राष्ट्रीय साइकिल निगम लिमिटेड
बंद होने वाले सीपीएसई	
1	एचएमटी वॉचेस लिमिटेड
2	भारत पंप्स एंड कंप्रेसर्स लिमिटेड
3	स्कूटर्स इंडिया लिमिटेड
4	हिंदुस्तान केबल्स लिमिटेड
परिसमापन के अधीन सीपीएसई	
1	रीरोल बर्न लिमिटेड
2	टायर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड

3	भारत ऑप्थेल्मिक ग्लास लिमिटेड
4	माइनिंग एंड एलाइड मशीनरी कॉर्पोरेशन लिमिटेड
5	भारत प्रोसेस एंड मैकेनिकल इंजीनियर्स लिमिटेड
6	भारत ब्रेक्स एंड वाल्व्स लिमिटेड
7	साइकिल कॉर्पोरेशन इंडिया लिमिटेड
8	पुनर्वास उद्योग निगम लिमिटेड
9	भारत यंत्र निगम लिमिटेड
10	त्रिवेणी स्ट्रक्चरल्स लिमिटेड
11	राष्ट्रीय औद्योगिक विकास निगम लिमिटेड
12	टेनरी एंड फुटवियर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड.
13	हिंदुस्तान पेपर कॉर्पोरेशन लिमिटेड.
14	नागालैंड पल्प एंड पेपर कंपनी लिमिटेड
15	हिंदुस्तान फोटो फिल्म्स मैन्युफैक्चरिंग कंपनी लिमिटेड